

प्रस्तावना (PROPOSITION)

प्रत्येक वैज्ञानिक अनुसन्धान का प्रारम्भ किसी समस्या या प्रश्न से होता है अतः अनुसन्धानकर्ता का सबसे पहला कार्य समस्या का सावधानीपूर्वक चयन करना है। समस्या का सावधानीपूर्वक निर्माण करके अनुसन्धान के अगले चरणों में आने वाली अनेक समस्याओं से बचा सकता है। इसीलिए एकोफ (Ackoff) ने यहाँ तक कह डाला है कि, "किसी समस्या का ठीक प्रकार से निर्धारण करना इसका आधा समाधान है।"¹ अनुसन्धान समस्या अथवा प्रश्न ऐसा होना चाहिए जिसका वैज्ञानिक पद्धति द्वारा अध्ययन किया जा सके। अनुसन्धान समस्या या प्रश्न का आधार हमारी कोई बौद्धिक जिज्ञासा या कोई व्यावहारिक समस्या हो सकती है। अनुसन्धान समस्या की प्रस्तावना में प्रयोग की जाने वाली अवधारणाएँ पूर्णतः स्पष्ट होनी चाहिए।

कुछ विद्वानों का कहना है कि समस्या के निर्माण से भी एक पहला चरण है जिसे उपलब्ध साहित्य का पुनरीक्षण या पुनर्निरीक्षण (Review of literature) कहा गया है। अनुसन्धानकर्ता जिस समस्या अथवा विषय में अनुसन्धान करना चाहता है उसे उससे सम्बन्धित सम्पूर्ण साहित्य की समीक्षा कर लेनी चाहिए ताकि उसे पहले से ही पता चल सके कि अन्य विद्वान् उस समस्या के बारे में किन पहलुओं का अध्ययन कर चुके हैं और उनके क्या विचार हैं।

सेल्टिज, जहोदा एवं अन्यो (Selltiz, Jahoda and Others) के अनुसार वैज्ञानिक अनुसन्धान का प्रथम चरण अन्वेषण योग्य समस्या का निर्माण करना है। इन्होंने समस्या के निर्माण में सहायक तीन स्रोतों का उल्लेख किया है—

- (अ) अवलोकन द्वारा विषय-वस्तु में क्रमबद्ध तत्परता,
- (ब) उपलब्ध साहित्य का अध्ययन तथा
- (स) अध्ययन क्षेत्र में अनुभव प्राप्त व्यक्तियों से विचार-विमर्श।

एकोफ का कहना है कि अनुसन्धानकर्ता को समस्या का निर्माण करते समय अनुसन्धान उपभोक्ताओं (Research consumers), इससे प्रभावित व्यक्तियों के उद्देश्यों, उद्देश्यों की प्राप्ति के वैकल्पिक साधनों, विकल्पों के बारे में अनुसन्धान उपभोक्ताओं के मन में सन्देह की स्थिति तथा इनसे उत्पन्न समस्याओं और समस्या को प्रभावित करने वाले पर्यावरण को ध्यान में रखना चाहिए।

एक प्रस्तावना एक उपकल्पना के समान है, लेकिन इसका मुख्य उद्देश्य ऐसी स्थिति में दो अवधारणाओं के बीच एक लिंक का सुझाव देना है जहाँ लिंक को प्रयोग द्वारा सत्यापित नहीं किया जा सकता है। नतीजतन, यह पूर्व अनुसंधान, उचित मान्यताओं और मौजूदा सहसंबंधी साक्ष्य पर बहुत निर्भर करता है। गुणात्मक अध्ययन में भी प्रस्तावना प्रस्तुत किए जा सकते हैं। उपकल्पना की तरह, ये दो या दो से अधिक अवधारणाओं के एक साथ काम करने की संभावना के बारे में कथन है। प्रस्तावना - उदाहरण। ६ एक प्रस्तावना एक ढीला बयान है और उपकल्पना की तरह सटीक नहीं है।

प्रस्तावना शुद्ध अवधारणाओं से सबाधत है जिसके लिए वर्तमान में कोई प्रयोगशाला परीक्षण उपलब्ध नहीं है।

वैज्ञानिक प्रस्तावनाएँ

एक प्रस्तावना एक उपकल्पना के समान है, लेकिन इसका मुख्य उद्देश्य ऐसी स्थिति में दो अवधारणाओं के बीच एक लिंक का सुझाव देना है जहाँ लिंक को प्रयोग द्वारा सत्यापित नहीं किया जा सकता है। नतीजतन, यह पूर्व अनुसंधान, उचित मान्यताओं और मौजूदा सहसंबंधी साक्ष्य पर बहुत निर्भर करता है। एक वैज्ञानिक एक प्रश्न पर आगे अनुसंधान को प्रेरित करने के लिए एक प्रस्तावना का उपयोग कर सकता है या किसी को इस उम्मीद में खड़ा कर सकता है कि आगे के सबूत या प्रयोगात्मक तरीकों की खोज की जाएगी जो इसे एक परीक्षण योग्य उपकल्पना बना देगा।

प्रस्तावनाओं के मान्य उपयोग

प्रस्तावना वैज्ञानिक प्रक्रिया में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। दो अवधारणाओं के बीच एक कड़ी का सुझाव देकर, एक वैज्ञानिक प्रस्तावना शोधकर्ताओं के लिए जांच के होनहार क्षेत्रों का सुझाव दे सकता है। अध्ययन के क्षेत्रों में जहाँ वैध उपकल्पनाएं शायद ही कभी की जा सकती हैं, एक प्रस्तावना एक आम धारणा के रूप में काम कर सकता है जो आगे की अटकलों का समर्थन कर सकता है। यह अत्यंत जटिल प्रणालियों में हो सकता है, जैसे कि समाजशास्त्र और अर्थशास्त्र द्वारा निपटा जाना, जहाँ एक प्रायोगिक परीक्षण निषेधात्मक रूप से महंगा या कठिन होगा। अध्ययन के क्षेत्रों में प्रस्तावना भी मूल्यवान है, जिसमें बहुत कम साक्ष्य रहते हैं, जैसे कि पुरातत्व और जीवाश्म विज्ञान के अध्ययन जिसमें केवल साक्ष्य के टुकड़े पाए गए हैं।

प्रस्तावनाओं की कमियाँ

क्योंकि एक प्रस्तावना परीक्षण योग्य डेटा पर निर्भर नहीं करता है, इसलिए वैज्ञानिक संदर्भ में इसे अस्वीकार करना अधिक कठिन है। इसे केवल मान्य और आंतरिक रूप से मान्य दिखाई देने के लिए संगत होना चाहिए। नए परीक्षण योग्य डेटा उपलब्ध होने पर इन दोनों स्थितियों को पूरा करने वाले प्रस्तावनों को गलत या गलत पाया गया है। आम तौर पर लंबे समय तक स्वीकार किए जाने वाले प्रस्तावनों में विश्वास को दूर करना बेहद मुश्किल हो सकता है, भले ही अन्य शोधकर्ता अधिक संभावित प्रस्तावनों को आगे बढ़ाएं।